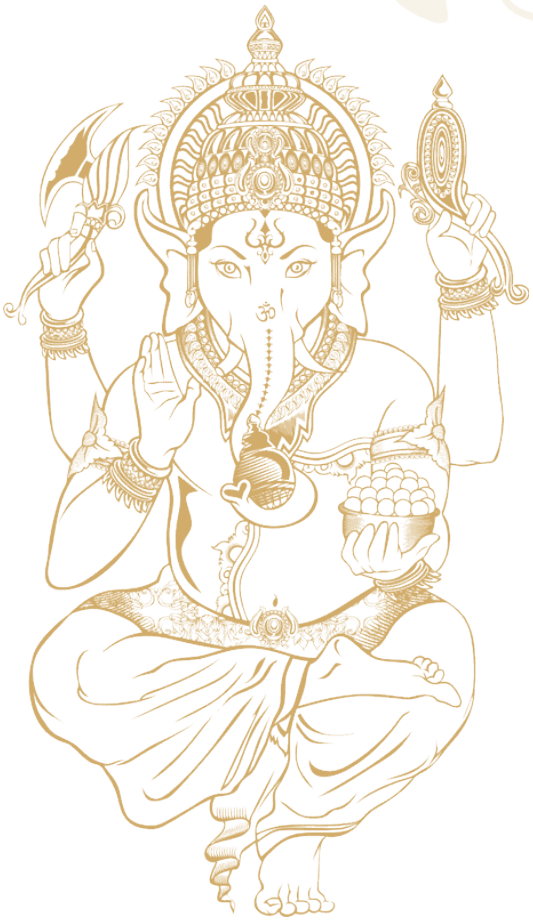

# Mukesh Kumar shakya

15 Aug 1965

05:00 PM

Farrukhabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121776802

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **15/08/1965** |
| दिन | रविवार |
| **जन्म समय** | **17:00:00 घंटे** |
| इष्ट | 28:14:09 घटी |
| **स्थान** | **Farrukhabad** |
| राज्य | Uttar Pradesh |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 27:23:00 उत्तर |
| रेखांश | 79:35:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:11:40 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 16:48:20 घंटे |
| वेलान्तर | -00:04:29 घंटे |
| साम्पातिक काल | 14:23:00 घंटे |
| सूर्योदय | 05:42:20 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:49:33 घंटे |
| दिनमान | 13:07:13 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | वर्षा |
| सूर्य के अंश | 29:02:23 कर्क |
| लग्न के अंश | 28:44:46 धनु |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | धनु - गुरु |
| **राशि-स्वामी** | **मीन - गुरु** |
| **नक्षत्र-चरण** | **उ.भाद्रपद - 1** |
| नक्षत्र स्वामी | शनि |
| योग | सुकर्मा |
| करण | विष्टि |
| गण | मनुष्य |
| योनि | गौ |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | विप्र |
| वश्य | जलचर |
| वर्ग | सर्प |
| युंजा | अन्त्य |
| हंसक | जल |
| जन्म नामाक्षर | दू-दूधेश्वर |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | लौह - लौह |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | सिंह |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं- | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | धनु | 28:44:46 | 375:19:17 | उत्तराषाढ़ा | 1 | 21 | गुरु | सूर्य | मंगल | --- |
| सूर्य | | | कर्क | 29:02:23 | 00:57:39 | आश्लेषा | 4 | 9 | चन्द्र | बुध | शनि | मित्र राशि |
| चन्द्र | | | मीन | 03:50:25 | 12:15:56 | उ.भाद्रपद | 1 | 26 | गुरु | शनि | शनि | सम राशि |
| मंगल | | | तुला | 03:28:32 | 00:37:17 | चित्रा | 4 | 14 | शुक्र | मंगल | शुक्र | सम राशि |
| बुध | व | अ | कर्क | 29:36:52 | 00:50:14 | आश्लेषा | 4 | 9 | चन्द्र | बुध | शनि | शत्रु राशि |
| गुरु | | | मिथु | 01:43:23 | 00:10:16 | मृगशिरा | 3 | 5 | बुध | मंगल | बुध | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | कन्या | 01:45:28 | 01:11:55 | उ.फ़ाल्गुनी | 2 | 12 | बुध | सूर्य | गुरु | नीच राशि |
| शनि | व | | कुंभ | 22:04:27 | 00:04:01 | पू.भाद्रपद | 1 | 25 | शनि | गुरु | शनि | स्वराशि |
| राहु | व | | वृष | 17:25:45 | 00:10:09 | रोहिणी | 3 | 4 | शुक्र | चन्द्र | शनि | मित्र राशि |
| केतु | व | | वृश्चि | 17:25:45 | 00:10:09 | ज्येष्ठा | 1 | 18 | मंगल | बुध | बुध | मित्र राशि |
| हर्ष | | | सिंह | 20:23:49 | 00:03:35 | पू.फ़ाल्गुनी | 3 | 11 | सूर्य | शुक्र | गुरु | --- |
| नेप | | | तुला | 23:56:06 | 00:00:32 | विशाखा | 2 | 16 | शुक्र | गुरु | बुध | --- |
| प्लूटो | | | सिंह | 21:52:24 | 00:02:00 | पू.फ़ाल्गुनी | 3 | 11 | सूर्य | शुक्र | गुरु | --- |
| दशम भाव | | | तुला | 14:44:42 | -- | स्वाति | -- | 15 | शुक्र | राहु | केतु | -- |

**व - वक्री  स - स्थिर**
**अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त**
**राहु : स्पष्ट**
**चित्रपक्षीय अयनांश 23:22:22**

## लग्न-चलित

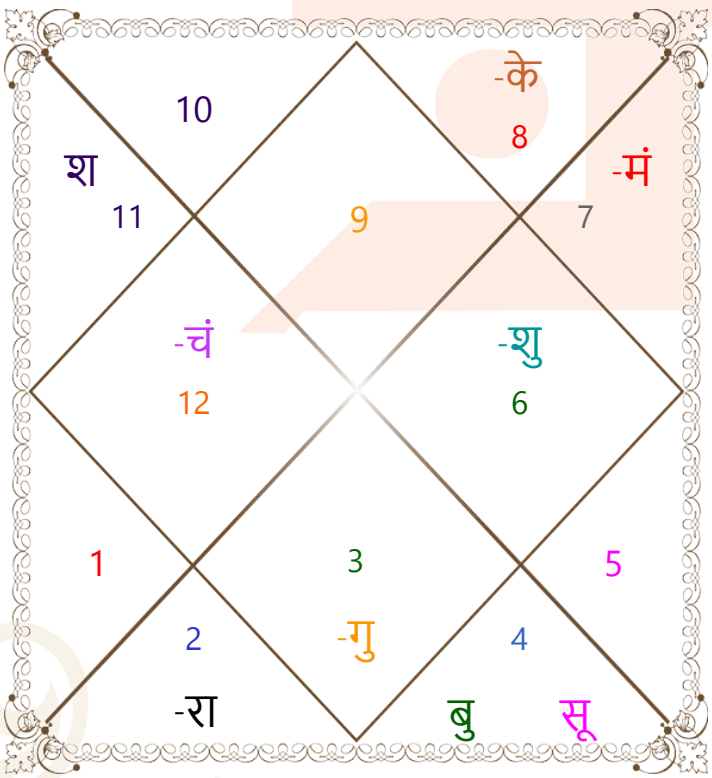


## चन्द्र कुंडली

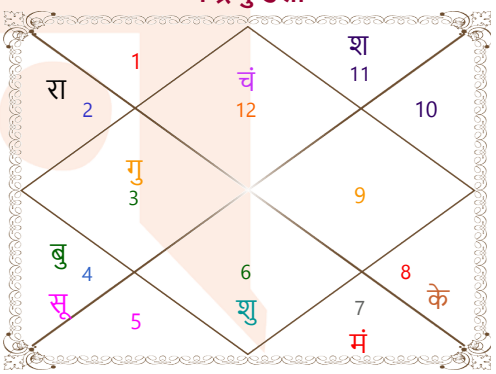


## नवमांश कुंडली

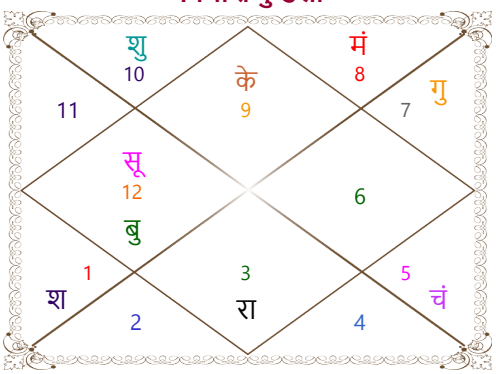

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 3 मास 10 दिन

| शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 15/08/1965 | | 25/11/198 | | 2/11/2000 | | 25/11/2007 | | 25/11/2027 | |
| 25/11/198 | | 2/11/2000 | | 25/11/2007 | | 25/11/2027 | | 25/11/20 | |
| शनि | 28/1967 | बुध | 23/1986 | केतु | 23/2001 | शुक्र | 20/2011 | सूर्य | 19/2028 |
| बुध | 07/1970 | केतु | 20/1987 | शुक्र | 23/2002 | सूर्य | 26/2012 | चन्द्र | 10/2029 |
| केतु | 16/1971 | शुक्र | 18/1990 | सूर्य | 29/2002 | चन्द्र | 25/2013 | मंगल | 18/2029 |
| शुक्र | 16/1974 | सूर्य | 25/1990 | चन्द्र | 30/2003 | मंगल | 25/2015 | राहु | 13/2029 |
| सूर्य | 29/1975 | चन्द्र | 26/1992 | मंगल | 26/2003 | राहु | 25/2018 | गुरु | 01/2030 |
| चन्द्र | 29/1977 | मंगल | 23/1993 | राहु | 12/2004 | गुरु | 25/2020 | शनि | 13/2031 |
| मंगल | 08/1978 | राहु | 10/1995 | गुरु | 19/2005 | शनि | 25/2023 | बुध | 20/2032 |
| राहु | 10/1981 | गुरु | 10/1998 | शनि | 28/2006 | बुध | 25/2026 | केतु | 24/2032 |
| गुरु | 25/1983 | शनि | 24/2000 | बुध | 25/2007 | केतु | 25/2027 | शुक्र | 25/2033 |

| चन्द्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 25/11/20 | | 25/11/20 | | 25/11/2050 | | 2/11/2068 | | 2/11/2084 | |
| 25/11/20 | | 25/11/2050 | | 2/11/2068 | | 2/11/2084 | | 00/00/0000 | |
| चन्द्र | 29/2034 | मंगल | 24/2044 | राहु | 07/2053 | गुरु | 31/2071 | शनि | 18/2085 |
| मंगल | 04/2035 | राहु | 05/2045 | गुरु | 01/2056 | शनि | 07/2073 | | 00/0000 |
| राहु | 20/2036 | गुरु | 04/2046 | शनि | 01/2058 | बुध | 11/2075 | | 00/0000 |
| गुरु | 02/2038 | शनि | 05/2047 | बुध | 05/2061 | केतु | 10/2076 | | 00/0000 |
| शनि | 29/2039 | बुध | 05/2048 | केतु | 06/2062 | शुक्र | 06/2079 | | 00/0000 |
| बुध | 02/2041 | केतु | 10/2048 | शुक्र | 06/2065 | सूर्य | 03/2080 | | 00/0000 |
| केतु | 29/2041 | शुक्र | 02/2049 | सूर्य | 05/2066 | चन्द्र | 07/2081 | | 00/0000 |
| शुक्र | 05/2043 | सूर्य | 04/2050 | चन्द्र | 01/2067 | मंगल | 07/2082 | | 00/0000 |
| सूर्य | 21/2043 | चन्द्र | 21/2050 | मंगल | 11/2068 | राहु | 11/2084 | | 00/0000 |

- उपरोक्त दशा चन्द्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 3 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

वास्तव में कुछ व्यक्ति जन्म से ही भाग्यशाली होते हैं, उनमें से एक आप भी हैं। ज्योतिषीय गणना के अनुसार आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण, धनु लग्न धनु नवांश में हुआ है। आपका जन्म सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। आपके जन्म का प्रभाव यह दर्शाता है कि आप एक लब्धप्रतिष्ठित व्यक्ति बनेंगे धन-संपत्ति से संपन्न होकर पूर्णतः स्वस्थ प्रसन्न जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपके जीवन का प्रथम भाग दर्शाता है कि आपकी सफलता के लिए थोड़ा सा सहयोग ही पर्याप्त होगा। आप जीवन में कुछ विलंब से धनोपार्जन कर व्यवस्थित होंगे। आपकी संपत्ति का आधार आपकी सहनशक्ति अनुशासन है। आप जानते हैं कि धनवान कैसे बना जाता है आप इस लक्ष्य को काफी महत्व देते हैं। आप धन का सदुपयोग करेंगे पर्याप्त संचय भी करेंगे। आपके मन में अहंकार की भावना नहीं होगी आप किसी के विश्वास को ठेस नहीं पहुँचाएंगे। जो आप पर भरोसा करेगा, आप उसके प्रति पूरी सहानुभूति रखेंगे क्योंकि आप शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहते हैं। आप एक चतुर बुद्धिमान व्यक्ति हैं, इसलिए आपके कई मित्र होंगे जो आपकी कलात्मक निपुणता के प्रशंसक होंगे। वे लोग कठिन समय में आपसे संरक्षण सहायता की अपेक्षा रखेंगे।

आपके पास एक सुंदर सुखद भवन होगा, जहाँ आप अपनी कुशल प्रिय पत्नी सुशील बच्चों के साथ आनंदपूर्वक रहेंगे। आप अपने परिवार से अलग रहकर प्रसन्न नहीं रह पाएंगे। आपका जीवन समृद्धि दूसरों के लिए प्रेरणादायी होगी। जीवन में निरंतर उन्नति के लिए आप अपनी पसंद के व्यवसाय चुन सकते हैं, जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय आयात-निर्यात, न्यायपालिका मध्यस्थता का कार्य, भूमि-भवन का क्रय-विक्रय, खनिज, खदान कार्य, कृषि वास्तुकला से संबंधित कार्य। ये सभी क्षेत्र आपके लिए अनुकूल लाभदायक सिद्ध होंगे।

उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको मानसिक शांति बनाए रखनी चाहिए अहंकारी प्रवृत्तियों किसी भी प्रकार की अति से बचना चाहिए। स्वास्थ्य रक्षा के लिए नियमित जीवनशैली अपनाना आवश्यक है। भविष्य में आकस्मिक कारणों से आपको गैस विकार, पक्षाघात, चर्म रोग जैसे फोड़े-फुंसी, खुजली होने की आशंका है। यदि आप समय रहते सावधानी बरतें उपचार शुरू करें, तो आप इन रोगों से मुक्त रह सकते हैं।

उज्ज्वल भविष्य के लिए यदि आप 3, 5, 6, 8 अंकों का प्रयोग अपने जीवन में करेंगे, तो यह अत्यंत शुभ रहेगा। इसके विपरीत, 2, 7, 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल सिद्ध हो सकते हैं।

आपके लिए सप्ताह के दिनों में रविवार, सोमवार, मंगलवार शुभ फल देने वाले हैं, जबकि बुधवार, शुक्रवार, शनिवार आपके लिए अशुभ सिद्ध हो सकते हैं।

आपके लिए क्रीम, सफेद, नारंगी, नीला, हरा, तोता-पंखी रंग लाभदायक सिद्ध होंगे। इसके

विपरीत काला, लाल, मोतिया रंग आपके लिए सर्वथा वर्जित हैं।

इस वर्ष मीन राशि के शनि चतुर्थ भाव में रहेंगे। 25 नवंबर तक कुंभ राशि के राहु तृतीय भाव में रहेंगे और उसके बाद मकर राशि में द्वितीय भाव में गोचर करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में मिथुन राशि के गुरु सप्तम भाव में रहेंगे और 2 जून को कर्क राशि में अष्टम भाव में गोचर करेंगे और फिर से अतिचारी होकर 31 अक्टूबर को सिंह राशि एवं नवम भाव में प्रवेश कर जाएंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। वर्षारम्भ से 1 फरवरी तक शुक्र अस्त रहेंगे और अक्टूबर में भी 14 दिन के लिए अस्त होंगे।

## व्यवसाय

कार्य-व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्यतः अनुकूल रहेगा। सप्तमस्थ गुरु के प्रभाव से आप अपने व्यापार में कुछ अच्छा करेंगी। आपको कार्यक्षेत्र में मित्र, सहयोगी व पति का भी सहयोग प्राप्त होगा। यदि आप साझेदारी में कार्य कर रही हैं, तो अपने साझेदार से संतुष्ट रहेंगी।

02 जून के बाद समय प्रतिकूल हो रहा है। उस समय के अंतराल में आपके कार्य-व्यवसाय में उतार-चढ़ाव की स्थिति बन सकती है। अतः कोई नया काम प्रारंभ न करें, पुराने चले आ रहे कार्य को और अच्छे ढंग से चलाएं। अष्टमस्थ गुरु के प्रभाव से आपके कार्यक्षेत्र में गुप्त शत्रुओं द्वारा रुकावटें डाली जा सकती हैं। भूमि-भवन से संबंधित काम करने वाली महिलाओं को नुकसान भी हो सकता है।

## धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध उत्तम रहेगा। एकादश स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपके धनागम में निरंतरता बनी रहेगी। आप निष्ठा के साथ धनार्जन में लगी रहेंगी और आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में पति एवं भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

गुरु के गोचर के बाद समय अच्छा नहीं रहेगा। गुरु एवं शनि दोनों ग्रहों का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आपकी आय के मार्ग प्रभावित हो सकते हैं। इस समयांतराल में आपको किसी को उधार पैसा नहीं देना चाहिए, अन्यथा आपका पैसा डूब सकता है। निवेश के लिए यह समय उपयुक्त नहीं है, अतः इस वर्ष आप कोई नया निवेश न करें।

## घर-परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्षारंभ में सप्तम भाव में स्थित गुरु के प्रभाव से आपके पति के साथ संबंध मधुर होंगे। यदि आप अविवाहित हैं, तो आपका विवाह हो सकता है। आपके सामाजिक पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

02 जून के बाद समय अनुकूल नहीं रहेगा। चतुर्थ भाव का शनि आपकी पारिवारिक सुख-शांति को प्रभावित कर सकता है। परिवार में एक-दूसरे के प्रति भावनात्मक लगाव में कमी आ सकती है। आपके माता-पिता का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है।

## संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अच्छा रहेगा। आपके बच्चों की उन्नति होगी और शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ेगी। वे अपने भाग्य के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। आपके दूसरे बच्चे के लिए भी समय काफी अच्छा है। यदि आपकी दूसरी संतान विवाह के योग्य है, तो उसका विवाह भी संपन्न हो सकता है।

02 जून के बाद गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल नहीं रहेगा। आपके बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित होने के कारण उनकी शिक्षा-दीक्षा भी बाधित हो सकती है। उन्हें सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर कठिन परिश्रम करने की आवश्यकता होगी, हालांकि 31 अक्टूबर के बाद समय काफी अनुकूल हो जाएगा।

## स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल रहेगा। आपके मन में सकारात्मक विचार आएंगे। अच्छे स्वास्थ्य के लिए आपका खान-पान एवं दिनचर्या भी उत्तम रहेगी। लग्न भाव पर शुभ ग्रह का प्रभाव होने के कारण आप शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगी, जिससे आपका स्वास्थ्य उत्तम बना रहेगा।

02 जून के बाद स्वास्थ्य के लिए समय अधिक अनुकूल नहीं रहेगा। आप मौसमी बीमारियों से प्रभावित हो सकती हैं। अष्टम भाव में स्थित गुरु के जल तत्व राशि में होने के कारण आप कफ, पाचन तंत्र व पेट संबंधित रोगों से परेशान हो सकती हैं, किंतु 31 अक्टूबर के बाद आपके स्वास्थ्य में सुधार आना शुरू हो जाएगा।

## करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। सफलता प्राप्त करने के लिए आपको निरंतर परिश्रम करने की आवश्यकता है। छात्राओं के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल रहेगा। व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षा के लिए यह समय श्रेष्ठ है।

02 जून के बाद समय बहुत अच्छा नहीं रहेगा। उस समय आपकी उच्च शिक्षा में भी रुकावटें आ सकती हैं। बेरोजगार जातिकाओं को अभी कुछ और समय प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है।

## यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। तृतीय भाव में स्थित राहु के प्रभाव से आप छोटी-मोटी यात्राओं के साथ-साथ लंबी यात्राएं भी करेंगी।

कार्यरत महिलाओं का अपने वर्तमान स्थान से दूर स्थानांतरण हो सकता है। यह स्थानांतरण आपकी इच्छा के अनुकूल नहीं होगा। 02 जून के बाद द्वादश भाव पर गुरु के दृष्टि प्रभाव से आप विदेश यात्रा करेंगी।

## धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा। आप अपने पति के साथ मिलकर हवन आदि मांगलिक कार्य संपन्न करेंगी और तीर्थ यात्रा द्वारा पुण्य अर्जित करेंगी। 02 जून के बाद अत्यधिक व्यस्तता के कारण आप पूजा-पाठ व धार्मिक कार्यों के लिए कम समय निकाल पाएंगी।

- सूर्य नमस्कार करें एवं सूर्य देव को जल अर्पित करें।
- शनिवार के दिन काली वस्तुओं का दान करें अथवा लोहे का तवा दान करें।
- गुरुवार के दिन केला या बेसन के लड्डू गरीबों में बांटें और बृहस्पतिवार का व्रत रखें।

# ग्रह फल

## सूर्य

आठवें भाव में कर्क राशि का सूर्य गुप्त विज्ञान में आपकी रुचि की पुष्टि करता है और इसके कारण आप बहुत प्रसिद्ध होंगे। आपको कई अलौकिक अनुभव होंगे और निश्चित रूप से गुप्त विज्ञान के कारण लाभ होगा।

आपको निश्चित रूप से पैतृक संपत्ति विरासत में मिलेगी। आपको विरासत या मृतकों की वस्तुओं के माध्यम से लाभ होगा। आपके पास शायद इतनी ज़मीनें और घर होंगे कि आप उन्हें दूसरों को पट्टे पर देने में सक्षम होंगे।

आप पर दहेज का दबाव डाला जाएगा और हालांकि आप दहेज प्रथा में विश्वास नहीं करते होंगे, लेकिन जब आप अंततः इसे स्वीकार करेंगे, तो आप इसे बहुत उपयोगी पाएंगे और इससे आपको और आपकी पत्नी दोनों को लाभ होगा।

आप अपना और अपनी संपत्तियों का बीमा कराएंगे जो एक बुद्धिमानी भरा कदम होगा क्योंकि छोटी-मोटी चोरियाँ होंगी। इसी तरह, आप किसी दुर्घटना में शामिल हो सकते हैं हालाँकि आपको चोट नहीं लगेगी।

आप दीर्घायु होंगे। आपकी मृत्यु शीघ्र और अचानक होगी और आपका कष्ट लंबा नहीं होगा।

आपके जन्म समय में सूर्य की स्थिति अष्टम भाव में है अतः आपके पिता का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा-कदा शारीरिक रूप से वे कष्टानुभूति करेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह भाव रहेगा तथा जीवन में वे धन-धान्य से परिपूर्ण रहेंगे एवं आपको समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे यदा-कदा आप उनसे विशेष धन या संपत्ति भी अर्जित कर सकेंगे। साथ ही यात्रा एवं व्यापार संबंधी कार्यों में भी आपको सहयोग एवं निर्देश प्रदान करेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान का भाव रहेगा एवं समय-समय पर उनकी आज्ञा का आप पालन करते रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे परंतु यदा-कदा आपसी मतभेदों से इसमें कटुता या तनाव का वातावरण भी होगा परंतु यह अल्प समय के लिए होगा। इसके साथ ही जीवन में आप सर्वप्रकार से पिता को सहयोग देंगे एवं अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार से कष्ट नहीं होने देंगे।

## चन्द्र

लेकिन, आपके मामले में, चतुर्थ भाव में मीन राशि में चंद्रमा की स्थिति के परिणामस्वरूप कुछ बाधाएं आपके सामने आ सकती हैं। आपकी माता के साथ आपके संबंध कष्टकारी हो सकते हैं,

जिससे आप अपना जन्म स्थान छोड़ने और दूसरे शहर में बसने के बारे में सोचने पर मजबूर हो सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी राह आसान नहीं होगी और आप बिना कोई सार्थक योग्यता प्राप्त किए इसे बीच में ही छोड़ने का निर्णय ले सकते हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि आप परिपक्व आयु तक जीने की आशा कर सकते हैं, लेकिन गिरने से या किसी ढहती हुई इमारत से चोट लगने से बचने के लिए सावधान रहें।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति चतुर्थ भाव में होने से माता का शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके प्रति उनका प्रगाढ़ स्नेह रहेगा एवं जीवन में सर्वप्रकार की सुख-सुविधाएं तथा अन्य सुखों को वे आपको प्रदान करेंगी। आपके मध्य मतभेद अल्प ही रहेंगे, अतः परस्पर संबंध मधुर रहेंगे। साथ ही वाहनादि की प्राप्ति में भी वे आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी तथा कभी भी कोई कठिनाई का सामना नहीं करने देंगी।

आप भी उनका हमेशा हार्दिक सम्मान करेंगे तथा उनकी आज्ञा एवं निर्देशों को मानने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। साथ ही अपने जीवनकाल में उनकी श्रद्धापूर्वक सेवा करेंगे तथा आवश्यक सुख-सुविधाओं को भी प्रदान करेंगे। इस प्रकार आपके परस्पर संबंध मधुर एवं सुदृढ़ रहेंगे तथा जीवन को प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

## मंगल

तुला राशि में ग्यारहवें भाव में मंगल इंगित करता है कि आपको अपनी इच्छाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति के मार्ग में कई बाधाओं का सामना करना पड़ेगा और यहां तक कि ये आपकी इच्छानुसार पूरी नहीं होंगी।

यद्यपि धनु लग्न इंगित करता है कि आप अपनी बड़ी बहनों के करीब होंगे, ग्यारहवें भाव में मंगल इसे उलट देता है और इंगित करता है कि आपके अपने बड़े भाइयों के साथ बेहतर संबंध होंगे, हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि आपके उनके साथ बहुत अच्छे तालमेल होंगे।

आपके मित्र साहसी और निडर होंगे, हालांकि कुछ मित्र कपटी होंगे। कुछ व्यवसायी होंगे। समाज में भी आपका सामना इसी तरह के लोगों से होगा।

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति एकादश भाव में है, अतः आपके भाई-बहनों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा; परंतु कभी-कभी वे शारीरिक व्याकुलता का अनुभव कर सकते हैं। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा। वे धन-सम्पत्ति से संपन्न होंगे एवं जीवन में अवसर के अनुकूल आपको वांछित सहयोग प्रदान करते रहेंगे। साथ ही, आप आय के साधनों में वृद्धि करने में भी उनसे सहायता प्राप्त करेंगे। आपको सुख-दुःख में उनसे पूर्ण सहयोग मिलेगा तथा वे आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे।

आप भी हृदय से उनके प्रति सम्मान का भाव रखेंगे तथा समय-समय पर उन्हें आर्थिक तथा

अन्य क्षेत्रों में सहायता प्रदान करते रहेंगे। इसके साथ ही, उनकी आय में वृद्धि करने में भी आप वांछित सहयोग प्रदान करेंगे। आपके परस्पर सम्बन्ध मधुर रहेंगे, परंतु कभी-कभी मतभेदों के कारण तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है; लेकिन यह अस्थायी होगी और कुछ समय के बाद सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा।

## बुध

कर्क राशि में आठवें भाव में बुध आपको गुप्त विद्या में गहरी रुचि देता है। आप रहस्यों और असामान्य चीजों को खोजने के शौकीन हैं और आपको कई मानसिक स्वप्न आ सकते हैं। यह भी स्पष्ट है कि गुप्त विज्ञान आपके लिए लाभकारी होगा। आपकी रुचि गुप्त विषयों, पुनर्जन्म के अध्ययन और मृत्यु तथा मृत्यु के बाद के जीवन के विवरणों में होगी।

यह स्पष्ट है कि आपको पैतृक संपत्ति विरासत में मिलेगी। आपको दूसरों की जायदाद और धन संभालने में भी लाभ होगा। आपको विवाह द्वारा भी संपत्ति प्राप्त होगी। विवाह के समय प्राप्त दहेज संतोषजनक होगा और यह आपको और आपकी पत्नी को आराम और सुविधा का जीवन जीने में सक्षम बनाएगा।

आप समझदारी से अपना और अपनी संपत्ति का बीमा कराएंगे क्योंकि चोरी और दुर्घटनाएं हो सकती हैं और हालांकि ये बहुत कम होंगी, लेकिन इसमें कोई क्षति नहीं होगी और कोई नुकसान नहीं होगा क्योंकि आप बीमा का दावा करने में सक्षम होंगे।

आप मध्यम जीवन काल जिएंगे। अपने जीवन के अंतिम कुछ वर्षों के दौरान, आप चर्म रोग से पीड़ित हो सकते हैं।

## गुरु

सातवें भाव में मिथुन राशि में बृहस्पति दर्शाता है कि आप एक प्रतिष्ठित परिवार के सुंदर और पवित्र व्यक्ति से विवाह करेंगे, जिसके परिणामस्वरूप आपके पास प्रचुर मात्रा में धन और भूमि संपत्ति आएगी। शुरुआत में, वैवाहिक संबंध अच्छे रहेंगे, लेकिन यदि बाद में वे तनावपूर्ण होते हैं, तो इसका खामियाजा आपको ही भुगतना पड़ेगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि आप विपरीत लिंग के प्रति अत्यधिक रुचि दिखाते हैं। इसके अलावा, आपके स्वभाव का एक अबूझ पहलू भी है। आप हर किसी पर अत्यधिक संदेह करते हैं, आपकी पत्नी भी इसका अपवाद नहीं है। परिणामस्वरूप, आप अपने साथी के बहुत से कार्यों में संदेह देखने लगते हैं जिससे न केवल पारिवारिक वातावरण खराब होगा, बल्कि अलगाव की स्थिति भी पैदा हो सकती है।

## शुक्र

दशम भाव में शुक्र की स्थिति द्वारा दिए गए संकेत के अनुसार, आपके लिए यात्रा से जुड़ा

पेशा आदर्श होगा। यात्राएं न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी साबित होंगी, बल्कि वे आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ संपर्क स्थापित करने में भी सक्षम बनाएंगी।

हालाँकि, आपको कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। एक बात तो यह है कि अपने पिता की गतिविधियों से नाराज रहने के कारण उनके साथ आपके अच्छे संबंध नहीं होंगे। नतीजतन, आपको पैतृक संपत्ति में कोई हिस्सा नहीं मिल सकता है। दूसरी बात यह कि अधिकारियों से पंगा न लें और पुलिस की कार्रवाई को न बुलावा दें। साथ ही, यदि अन्य लोग आपको मुकदमेबाजी में शामिल करना चाहते हैं, तो इसे अदालत के बाहर निपटाने की पूरी कोशिश करें।

## शनि

तीसरे भाव में कुंभ राशि का शनि इंगित करता है कि कभी-कभी आपमें आत्मविश्वास की कमी होती है।

यद्यपि धनु लग्न इंगित करता है कि आप और आपके सहोदर आपस में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे, फिर भी शनि का प्रभाव बहुत अधिक प्रबल है और आप उनके व्यवहार और कार्यों के कारण चिंतित और दुखी रहेंगे। वे अविश्वसनीय और आपकी सहायता करने के लिए अनिच्छुक सिद्ध होंगे।

यद्यपि धनु लग्न संगीत में आपकी रुचि बताता है, शनि संगीत में इस रुचि को खत्म कर देता है। संगीत, नृत्य, गीतों और फिल्मों में आपकी बहुत कम रुचि है और आप उन्हें केवल उन समयों के लिए अच्छा मानते हैं जब किसी को कोई चिंता न हो।

## राहु

छठे भाव में राहु आपको अस्वस्थ बनाता है। आप छोटी-मोटी बीमारियों और संक्रामक रोगों से पीड़ित होंगे। आपको गठिया, आमवातिक दर्द, कूल्हे के फ्रैक्चर, खांसी, जुकाम और मुँहासे की समस्या हो सकती है। चूँकि आपका पेट बहुत संवेदनशील है, आप कब्ज, अमीबिक परेशानी, रक्त की अधिकता और मधुमेह से पीड़ित होंगे।

आपके नौकर चोरी करने के लिए ललचाते हैं। वे आपके रहस्यों को दूसरों के सामने उजागर करेंगे। यह राहु के प्रभाव के कारण है क्योंकि धनु लग्न बिल्कुल इसके विपरीत संकेत देता है।

धनु लग्न अच्छे मातृ संबंधों का संकेत देता है, लेकिन राहु की यह स्थिति आपके मातृ पक्ष के रिश्तेदारों को आपके विरुद्ध कर देती है। वे आपके किसी काम के नहीं होंगे और आप उनके कारण चिंतित हो सकते हैं।

## केतु

शायद आप अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य हैं और अधिकतर पारिवारिक खर्चों, घरेलू खर्चों और चिकित्सा उपचार पर खर्च करेंगे जिससे आपके पास बहुत कम पैसा बचेगा। परिणामस्वरूप, आप कुछ भी बचाने की स्थिति में नहीं हो सकते हैं।

खराब स्वास्थ्य आपको एक ही स्थान पर सीमित रख सकता है जिससे आपके लिए अन्य जिम्मेदारियों को निभाना मुश्किल हो सकता है।

आप सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार प्राप्त करने के लिए देश के भीतर यात्रा कर सकते हैं। इसी कारण से विदेश यात्रा की भी थोड़ी संभावना है।

बारहवें भाव में वृश्चिक राशि का केतु अस्पताल में भर्ती होने का संकेत देता है। बाईं आँख की समस्याओं के संकेत हैं।